लेखक-एक संक्षिप्त परिचय

- **जन्म-स्थान–**बैजे गाँव (उन्नाव), उ०प्र०।
- **जन्म एवं मृत्यु सन्–**1856 ई०, 1894 ई०।
- **पिता–**संकटाप्रसाद (ज्योतिषी)।
- **प्रमुख कृतियाँ–**कलि-कौतुक, हठी हम्मीर, प्रताप पीयूष, मन की लहर, भारत-दुर्दशा, प्रताप समीक्षा, गौ-संकट।
- **सम्पादन–**'ब्राह्मण' एवं 'हिन्दुस्तान'।
- **भाषा–**व्यावहारिक एवं खड़ीबोली।
- **हिन्दी साहित्य में स्थान–**हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विशिष्ट योगदान रहा।

पं० प्रतापनारायण मिश्र

जीवन परिचय

जीवन परिचय –:

पं० प्रतापनारायण मिश्र का जन्म उन्नाव जिला के बैजगाँव में सन् 1856 ई० में हुआ था। इनके पिता पं० संकटाप्रसाद मिश्र एक ज्योतिषी थे। वे पिता के साथ बचपन से ही कानपुर आ गये। अंग्रेजी स्कूलों की अनुशासनपूर्ण पढ़ाई इन्हें रुचिकर नहीं लगी। फलतः घर पर ही आपने बँगला, अंग्रेजी संस्कृत, उर्दू, फारसी का अध्ययन किया। लावनीबाजों के सम्पर्क में आकर मिश्र जी ने लावनियाँ लिखनी शुरु कर दी। और यहीं से इनकी कविता का भी गणेश हुआ। बाद में आजीवन इन्होंने हिन्दी की सेवा की। कानपुर के सामाजिक राजनीतिक जीवन से भी इनका गहरा सम्बन्ध था। वे यहाँ की अनेक सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध थे। इन्होंने कानपुर में एक नाटक - सभा की भी स्थापना की। ये भारतेन्दु के व्यक्तित्व से अत्यन्त प्रभावित थे तथा इन्हें अपना गुरु और आदर्श मानते थे। अपनी हाजिरजवाबी और हास्यप्रियता के कारण वे कानपुर में काफी लोकप्रिय थे। इनकी मृत्यु कानपुर में ही सन् 1894 ई० में हुई।

कृतियाँ -:

मिश्र जी द्वारा लिखित पुस्तकों की संख्या 50 है। जिनमे प्रेम - पुष्पावली, मन की लहर, मानस विनोद आदि।

काव्य संग्रह -:

कलि कौतुक, हठी - हम्मीर, गो - संकट, भारत - दुर्दशा (नाटक), जुआरी - खुआरी आदि प्रमुख हैं। नागरी प्रचारिणी सभा काशी द्वारा "प्रतापनारायण मिश्र ग्रन्थावली" नाम से इनकी समस्त रचनाओं का संकलन प्रकाशित हुआ।